मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.10. 2024

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 60 अंक 10 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अक्टूबर 2024 बहाई वर्ष : 181

विश्व न्याय मन्दिर

समुदायों के निर्माण में, मित्रों के प्रयास, सामाजिक कार्यों में संलग्न होने और समाज के प्रचलित परिसंवादों में योगदान देने के लिए, एक वैश्विक उद्यम में संयुक्त हो गए हैं, जो कार्य करने के साझा ढांचे से बंधे, और मानवता को अपने मामलों को आध्यात्मिक सिद्धांतों की नींव पर स्थापित करने में मदद करने पर केंद्रित हैं। प्रशासनिक व्यवस्था के उद्घाटन के सौ वर्ष बाद हमारे द्वारा वर्णित विकासों के इस बिंदु पर पहुंचने के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

—रिज़वान 2022

ओडिशा में उन्नत समुदायों के लिए सम्मेलन

ओडिशा में उन्नत समुदायों के लिए 12, 13 और 14 सितंबर, 2024 को एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। राज्य बहाई परिषद के सचिव ने सभी समुदायों की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्वागत के बाद प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के सचिव ने राज्य की प्रगति और प्रयासों का अवलोकन प्रदान किया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में सात समुदाय – हटियासुनी, बहराना, ताम्पालो, जौलीपोखरी, सुरुगुडा, कुलुता और लाम्बिलो के मित्र एकत्र हुए, जिसमें स्थानीय टीमें, समन्वयक, सुविधाकर्ता, शिक्षक और अनुप्रेरक शामिल थे। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य सामुदायिक विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार करना और उनका समाधान करना था। सात उन्नत समुदायों में से प्रत्येक ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियाँ दीं, जहाँ उन्होंने अपने समुदायों की यात्रा का इतिहास, उनके समुदायों की भौगोलिक जानकारी और जनसंख्या, उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और अनुभव साझा किए। इन प्रस्तुतियों ने प्रत्येक समुदाय की वर्तमान स्थिति और शिक्षा, सामाजिक कार्य और आध्यात्मिक विकास में किए जा रहे प्रयासों पर गहन चिंतन करने का अवसर दिया।

इसके पश्चात् सलाहकार महोदय ने अपने विचार व्यक्त किए, समुदायों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और सम्मेलन के उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने विश्व न्याय मंदिर के मार्गदर्शन के साथ प्रयासों को संरेखित करने के महत्व पर जोर दिया, प्रतिभागियों को उनके सामूहिक लक्ष्यों और समुदायों को आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण की याद दिलाई।



ओडिशा में आयोजित सम्मेलन में चर्चा करते हुए मित्रगण

तीन दिनों के दौरान, सत्रों के अध्यक्ष सहायक मण्डल सदस्य थे, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि चर्चाएँ उद्देश्यपूर्ण रहें और सम्मेलन के व्यापक विषयों पर केंद्रित रहें।

प्रतिभागियों ने गाँव के भीतर आध्यात्मिक चरित्र के निर्माण के विषय पर गहन चर्चा की। उन्होंने समुदाय के सदस्यों के बीच आध्यात्मिकता और एकता की

शेष पृष्ठ 4 पर

इस अंक में

बिहार में आयोजित कार्यक्रमों की झलक

• सामुदायिक शिक्षण केंद्र, कोठिया में शिक्षक दिवस के अवसर पर स्थानीय आध्यात्मिक सभा की ओर से महाद्वीपीय सलाहकार की विशेष उपस्थिति में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग चालीस से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। साथ ही, दस के लगभग गणमान्य लोग भी कहा कि यह कार्यक्रम वास्तव में कुछ शिक्षकों द्वारा शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया है। जबकि ऐसे कार्यक्रम अभी तक कोठिया में बच्चे अपने शिक्षकों के लिए आयोजित करते थे।

वास्तव में यह कार्यक्रम कोठिया जैसे समुदाय के लिए वरदान का कार्य करेगा। उन्होंने



सम्मानित शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान करते हुए

उपस्थित हुए। कार्यक्रम प्रार्थनाओं के साथ आरंभ किया गया तत्पश्चात सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कुछ विशेष विषयों पर जैसे – शिक्षक दिवस के बारे में, सामुदायिक शिक्षण केन्द्र में चल रही गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में, उसके कारण लोगों में बढ़ रहे आपसी सहयोग और सहायता की संस्कृति के बारे में, गाँव में शिक्षकों द्वारा दी जा रही सेवा के विषय में और उनके प्रभाव इत्यादि के बारे में चर्चा की गई। इन चर्चाओं के उपरांत महाद्वीपीय सलाहकार ने आगे स्पष्ट किया कि हम सभी को आज यह तय करना चाहिए कि हम चाहे अपने जीवन में किसी भी क्षेत्र में अपनी जीविका के लिए कार्य कर रहे हों हमें रुचि से और स्वभाव से एक शिक्षक के रूप में कार्य करते रहना है। स्थानीय सभा की ओर से सभी शिक्षकों को सम्मानित किया गया और उपहार भी प्रदान किए गए। इस आयोजन को सफल बनाने में सामुदायिक शिक्षण दल का भरपूर योगदान रहा, उनके द्वारा की गई पूर्व की तैयारी कार्यक्रम को उत्साहित और शिखप्रद बनाए रखने में सहायक

शेष पृष्ठ 3 पर

सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का आयोजन

• बिहार के नवज्योति निकेतन, पटना में, आर्क–डायोसीज पटना के सदस्यों एवं चावरा क्लचर सेन्टर, नई दिल्ली के द्वारा संयुक्त रूप से 15 सितम्बर 2024 को एक अंतर–धार्मिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय था ''भारत में विभिन्न आस्थाओं और परंपराओं के आलोक में शांति और सद्भाव के दायरे और चुनौतियों के लिए एक साथ पहल करना''।



बिहार में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में सभी धर्मों के प्रतिनिधि

इस सम्मेलन के लिए बहाईयों को भी अधिकारिक रूप से आमंत्रण मिला। सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधिगण इसाई, बौद्ध, इस्लाम, जैन, हिन्दू और सिख धर्म से थे।

सभी धर्मों के विद्वतजनों ने अपने–अपने धर्म के पवित्र लेखों से शांति और सद्भाव पर प्रकाश डाला। बहाईयों की ओर से राज्य बहाई परिषद, बिहार द्वारा अधिकृत वक्ता सहायक मंडल सदस्य ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्व शांति और सद्भाव के लिए जो आज के इस युग के ईश्वरीय अवतार बहाउल्लाह ने जो संदेश दिया है उन शिक्षाओं का अनुसरण कर हम समाज में शांति और सद्भाव स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने नई दिल्ली स्थित बहाई उपासना गृह के बारे में बताया कि यह उपासना गृह सभी धर्मों के लिए एकता का प्रतीक है।

सम्मेलन में रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसने उपस्थित मित्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि पटना की मेयर श्रीमती सीता साहू थीं। सभी दल के सदस्यों को स्मृति–चिह्न प्रदान किया गया। अंत में बहाई मित्रों द्वारा लयबद्ध एकता की प्रार्थना की गई।

• उत्तर प्रदेश में स्थानीय आध्यात्मिक सभा भटगाव हसन खेड़ा द्वारा एक सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मों के लोगों को आमंत्रित किया गया। विभिन्न धर्म के लोगों ने इस सभा में प्रतिभागिता की और अपने–अपने विचार एक–दूसरे के साथ साझा किए। इस सभा में लगभग 40 से 50 मित्र शामिल हुए। चर्चा के दौरान अपनी ग्राम सभा को आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से और जो भी हमारे समुदाय में नकारात्मक चीजें फैली हुई हैं, उनको कैसे दूर किया जाए जैसे विचारों का आदान प्रदान हुआ। सभा में गांव के पूर्व–प्रधान के साथ–साथ वर्तमान प्रधान भी शामिल हुए। सभा में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह की पहली तारीख की शाम को नियमित रूप से इस सभा का आयोजन किया जाएगा। बादेखेड़ा से उपस्थित मित्र ने अपने गांव में भी प्रत्येक माह की 15 तारीख की शाम को सर्वधर्म प्रार्थना सभा का कार्यक्रम रखा है।


हसनखेड़ा में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा के मित्रगण

झारखण्ड की गतिविधियाँ

• महाद्वीपीय सलाहकार ने 31 अगस्त से 3 सितंबर 2024 तक झारखण्ड का भ्रमण किया, जिसके अंतर्गत तमाड़ एवं जमशेदपुर क्लस्टर के समुदायों का भ्रमण किया गया। प्रथम दिन 31 अगस्त को तमाड़ क्लस्टर में एक सामुदायिक बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चे, किशोर, युवा तथा अभिभावकों को मिलाकर लगभग 30 मित्रगण शामिल हुए। इस बैठक में बच्चे, किशोर तथा युवाओं की आध्यात्मिक तथा भौतिक शिक्षा पर परामर्श हुआ। आध्यात्मिक शिक्षा में सर्वाधिक बल देते हुए स्थानीय स्तर पर 8 शिक्षकों एवं अनुप्रेरकों द्वारा ली जा रही साप्ताहिक बहाई कक्षाओं से मिलने वाले प्रभावों पर विशेष बात की गई। साथ ही, यह भी बात की गई कि हमें अपने बच्चों को क्यों इन कक्षाओं में भेजना है और हम क्यों इनकी कक्षा लें। वर्तमान में युवाओं को प्रभावित कर रहे कुछ दुष्परिणामों की भी चर्चा की गई और इनसे बचने के कुछ उपायों की समीक्षा की गई। अंत में स्थानीय शिक्षकों एवं अनुप्रेरकों से मुलाकात कर कुछ कक्षाओं को नियमित करने हेतु प्रत्येक कक्षा में दो से तीन शिक्षक एवं अनुप्रेरक शामिल करने की योजना बनाई गई। इसी प्रकार 1 सितंबर, 2024 को जमशेदपुर के कदमा समुदाय में लगभग 12 से 15 भक्तिपरक सभाओं के मेजबानों के साथ हृदय की शुद्धता एवं प्रार्थना के विषय पर चर्चा की गई। इसके बाद सोनारी और बिरसानगर समुदाय में स्थानीय संयोजकों एवं बहाई बाल कक्षा तथा किशोर समूह के शिक्षक तथा अनुप्रेरकों से कक्षाओं के माध्यम से बच्चों किशोरों अभिभावकों तथा समुदाय में हो रहे प्रभावों की पहचान करने हेतु बैठकें हुई। साथ–ही–साथ कक्षाओं को नियमित रखने हेतु प्रत्येक कक्षा में दो से तीन शिक्षक एवं अनुप्रेरक शामिल करने की योजना बनाई गई। साथ ही, इसे और प्रभावपूर्ण बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देशों पर परामर्श किया गया।


सोनारी समुदाय में शिक्षकों और अनुप्रेरकों के साथ बैठक के दौरान

• झारखण्ड के पटमदा और धालभूमगढ़ में पारिवारिक प्रार्थना सभा समूहों का आयोजन 6 और 8 सितंबर को किया गया, जिसमें क्रमशः 14 और 17 प्रतिभागी शामिल हुए। पटमदा क्लस्टर में अभी हाल ही में 7 नये प्रतिभागियों ने रूही पुस्तक–1 समाप्त की, जिसके बाद उन सभी प्रतिभागियों के घरों में भक्तिपरक सभाएँ संचालित की गईं और इसके साथ–साथ इन भक्तिपरक सभाओं को पारिवारिक प्रार्थना सभा समूहों के दो ग्रुप में बाँट दिया गया, जिसके एक ग्रुप में 4 और दूसरे ग्रुप में 3 परिवार शामिल हैं। इसी प्रकार धालभूमगढ़ क्लस्टर में पुराने पारिवारिक प्रार्थना सभा समूह में ही प्रार्थना सभा की गई। झारखण्ड में अभी हम सभी मिलकर यह सीख रहे हैं कि कैसे भक्तिपरक प्रार्थना सभा समूहों को

शेष पृष्ठ 4 पर


धालभूमगढ़ क्लस्टर में भक्तिपरक प्रार्थना सभा समूह

समाचारचित्र



पटना की श्रीमती हुस्न–ए–आभा एवं श्री शमीम के सुपुत्र आदिल शेम्स का विवाह चेन्नई निवासी श्रीमती लाजी जेरी एवं श्री जेरी अब्राहम की सुपुत्री सुश्री दिनाह मरियम जेरी के साथ 3 अगस्त, 2024 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर स्थानीय आध्यात्मिक सभा, उटी के सचिव एवं स्थानीय आध्यात्मिक सभा, पटना के सदस्यगण भी उपस्थित रहे।



सुश्री रचिता आर. और श्री नबील नायक का विवाह बैंगलोर में 11 अगस्त, 2024 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



उत्तर प्रदेश के काकोरी उपक्षेत्र में रूही पुस्तक–13 इकाई–1 का आयोजन 26 से 30 अगस्त, 2024 तक किया गया। इस अभियान में लगभग 34 लोगों ने भाग लिया। अध्ययन के साथ–साथ तीन गांव में सामुदायिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया और कुछ विकसित स्थानीय आध्यात्मिक सभा में स्टडी सर्कल शुरू करने की योजना भी बनाई गई।



महाराष्ट्र में स्थानीय आध्यात्मिक सभा, कल्याण ने कल्याण (पूर्व) में 22 सितम्बर, 2024 को बाल मेले का आयोजन किया। इस मेले में लगभग 75 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम के दौरान प्रार्थनाएँ, बहाई गीत, कहानियाँ, विविध मनोरंजन, सद्गुणों पर बातचीत, नैतिक कक्षा के छात्रों के अनुभव साझा किए गए।

बिहार में आयोजित कार्यक्रमों की झलक

पृष्ठ 1 का शेष

रही। सभी अभिभावकों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए स्थानीय सभा को धन्यवाद दिया तथा ऐसे कार्यक्रम को नियमित करने का सुझाव दिया।

• बिहार के विभिन्न क्लस्टरों में ग्रेड–2 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अगस्त 2024 में किया गया, जिसमें कई समुदाय से लगभग 25 से 30 शिक्षकों ने नियमित रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत लयबद्ध प्रार्थनाओं के साथ की गई, तत्पश्चात् बच्चों की कक्षा लेने से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर शिक्षकों के साथ चर्चा की गई। अध्ययन के दौरान सभी प्रतिभागी शिक्षकों ने स्तर–2 की दो प्रार्थना और चार–पाँच उद्धरणों को भी कंठस्थ किया।

इसके अतिरिक्त, कक्षा की गुणवत्ता कैसे बनाई रखी जाए इस विषय पर भी परामर्श किया गया। स्थानीय अभिभावकों ने भी उक्त कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यदि इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक समुदाय में किया जाए तो निश्चित रूप से बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा।

• राज्य बहाई परिषद, बिहार द्वारा सांख्यिकीय रिपोर्ट कार्यक्रम (एसआरपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 एवं 8 सितम्बर, 2024 को बहाई भवन, पटना में आयोजित किया गया, जिसमें बिहार राज्य से 12 एवं झारखण्ड से 3 मित्रों सहित कुल 15 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सांख्यिकी आँकड़ों के व्यवस्थितिकरण एवं संयोजन में मदद करने हेतु राष्ट्रीय सांख्यिकी पदाधिकारी का विशेष मार्गदर्शन एवं सुझाव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने उपक्षेत्र के वर्तमान आँकड़ों से अवगत कराया एवं एसआरपी कार्यक्रम में कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों को भी मित्रों के साथ साझा किया। कार्यक्रम के दौरान इस विषय पर चर्चा की गई कि हम सभी कैसे अपने कार्य के प्रति काफी सजग एवं अद्यतन रहें। एसआरपी कार्यक्रम से संबंधित नई विशेषताओं एवं कार्य प्रणाली से भी मित्रों को अवगत कराया गया।



बिहार में विभिन्न क्लस्टरों में आयोजित ग्रेड–2 प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने वाले मित्रगण



एसआरपी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें। *धन्यवाद!*

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26

दिल्ली में महिला सम्मेलन का आयोजन

दिल्ली में लगभग 60 से अधिक महिलाएँ, परिवारों के समूह को समर्थन देने के लिए 8 सितंबर, 2024 को बहाई उपासना मंदिर में एकत्रित हुईं। दिल्ली की स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने सभी का स्वागत किया और इस सम्मेलन के उद्देश्य को साझा किया। प्रतिभागियों को तीन समूहों में बाँटा गया, साथ ही, एक छोटा समूह पिताओं के लिए भी बनाया गया। उन्होंने परिवारों के समूह के महत्व का अध्ययन किया, उत्तर प्रदेश में परिवारों के समूहों के अनुभवों पर बनी एक फिल्म देखी और साझा किया कि कैसे उनके परिवार और परिवारों के समूह ने उनके समुदायों में एकता और प्रेम को बढ़ावा दिया। प्रतिभागियों ने कुछ प्रार्थनाएँ और एक गीत भी सीखा, जिससे आध्यात्मिक माहौल और समृद्ध हो गया।

दोपहर के सत्र में, प्रतिभागियों ने अपने समुदायों में लौटने पर भक्ति सभाओं को आयोजित करने और अपने परिवारों के समूह का समर्थन करने की योजनाओं पर चर्चा की। एक कैलेंडर बनाया गया ताकि इन बैठकों को व्यवस्थित किया जा सके, जिसमें क्षेत्रीय शिक्षण समिति ने भी सहयोग किया। महिलाओं ने इस मंच के प्रति आभार व्यक्त किया और साझा किया कि उन्हें दूसरों के अनुभवों से बहुत कुछ सीखने को मिला, साथ ही, उन्होंने अनुरोध किया कि ऐसे आयोजन नियमित रूप से हों। क्षेत्रीय शिक्षण समिति ने सभी प्रतिभागियों, विशेष रूप से उन बच्चों और किशोरों का धन्यवाद किया, जिनके लिए शिक्षकों और एनिमेटरों द्वारा विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया था।


दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने वाले मित्रगण

झारखण्ड की गतिविधियाँ

पृष्ठ 2 का शेष

पारिवारिक प्रार्थना सभा समूहों की सहायता से नियमित रखा जाये और साथ ही भविष्य में कैसे अधिक से अधिक प्रक्रियाएँ पारिवारिक प्रार्थना सभा समूहों में हो सकें। इसी उद्देश्य से इस दिन इन पारिवारिक प्रार्थना सभा समूहों में उन्नीस दिवसीय सहभोज का भी आयोजन किया गया था, जिसमें प्रार्थनाएँ, गीत–संगीत, गतिविधियों की समीक्षा और उन्नीस दिवसीय सहभोज पत्र का अध्ययन किया गया। प्रत्येक उन्नीस दिवसीय सहभोज में स्थानीय सभा की सहायता से क्लस्टर विकास सहयोगी का प्रयास होता है कि राज्य के प्रत्येक क्लस्टर में इस दिन अधिक पारिवारिक प्रार्थना सभा समूहों में उन्नीस दिवसीय सहभोज सभा का आयोजन हो और एक नई संस्कृति को बनाने में मदद की जाये।

ओडिशा में उन्नत समुदायों के लिए सम्मेलन

पृष्ठ 1 का शेष

भावना को कैसे मजबूत किया जाए, इस पर चर्चा की, आध्यात्मिक रूप से उत्थानशील वातावरण को बढ़ावा देने में प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। शिक्षा के क्षेत्र में, न केवल बच्चों और किशोरों के विकास पर ध्यान दिया गया, बल्कि उन्हें सहायता देने वाले शिक्षकों और अनुप्रेरकों की क्षमताओं के निर्माण पर भी ध्यान दिया गया। विभिन्न प्रश्नों पर केंद्रित चर्चाओं के माध्यम से, शिक्षकों की क्षमताओं को मजबूत करने का प्रयास किया गया। शिक्षकों की समीक्षा बैठकों, ग्रेड और आने वाले महीनों में उठाए जा सकने वाले कदमों पर योजना बनाई गई ताकि उनकी सामूहिक प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए आवश्यक क्षमताओं का निर्माण किया जा सके।

सामाजिक क्रिया में उनकी भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर, प्रत्येक प्रतिभागी ने साझा करने के लिए एक उदाहरण दिया, जहाँ उन्होंने अपने साथियों की मदद के रूप में सेवा की और अनुभव साझा करने की इस प्रक्रिया को निर्देशित करने के लिए प्रश्न तैयार किए गए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके प्रशिक्षण और पाठ्य अध्ययन पर अनुभव साझा करने से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने का अवसर मिला। इन वार्तालापों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बच्चे और उनके शिक्षक दोनों बौद्धिक और आध्यात्मिक रूप से विकसित हों। इसके अलावा, सम्मेलन में प्रत्येक समुदाय में मानव संसाधन के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया। एक साझा समझ थी कि गांवों को जीवंत समुदाय बनाने के लिए, सार्वभौमिक भागीदारी की आवश्यकता है। इस पर चर्चा हुई कि समुदाय इन शुरुआती अभिगमनों को सामाजिक परिवर्तन के लिए सार्थक और स्थायी प्रयासों में बदलने के लिए तैयार हैं। इसके आधार पर एक केस स्टडी का भी अध्ययन किया गया जो सामुदायिक शिक्षा केंद्र कोठिया के बारे में थी, इसका अध्ययन करने के बाद, प्रतिभागियों ने इसे अपने समुदायों से जोड़ना शुरू किया और उन संभावनाओं को साझा किया जिन्हें उनके समुदायों में गहराई से खोजा जा सकता था।


ओडिशा में आयोजित सम्मेलन के प्रतिभागी

सूचना

महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल ने महाराष्ट्र और गोवा के सहायक मण्डल सदस्य श्री दीपक विक्रम पवार को उनके द्वारा दिए गए त्यागपत्र को स्वीकार करने के उपरान्त उन्हें सहायक मण्डल सदस्य के दायित्व से मुक्त कर दिया है।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO
Delhi on 10/11.10.2024
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)